Based on the New Text Books

Sanjiv®

Refresher

- Solutions of all the Exercises of the Text Books
- Inclusion of Additional Important Questions
- Hindi Translation of all the Lessons of English & Explanation of Hindi Poems in easy Hindi
- Inclusion of Grammar in Hindi and English Subjects as per the Text Books

Class 3

Price 300.00

Sanjiv Prakashan, Jaipur
Visit us at : www.sanjivprakashan.com

CONTENTS

हिन्दी

1. देश की माटी	1
2. मीठे बोल	3
3. शिष्टाचार	4
4. समय सुबह का	7
5. आओ खेलें–खेल	10
6. आदमी का धर्म	12
7. कलाकार का असन्तोष	14
कार्यपत्रक	**16**
8. गीत यहाँ खुशहाली के	17
9. मैं सड़क हूँ	20
10. काठ की पुतली : नाचे, गाएँ	22
11. अपना देश	24
12. साहसी बालिका	27
13. अजमेर की सैर	29
14. अब तक बहुत बह चुका पानी	32
कार्यपत्रक	**35**
15. अटल ध्रुव	38
16. बताओ मैं कौन हूँ	40
व्याकरण	**43–47**
कहानियाँ	**48–49**
प्रार्थना-पत्र एवं पत्र-लेखन	**50**
निबन्ध लेखन	**50–53**
आत्मकथा	**54**
हिन्दी मौखिक परीक्षा	**54**

ENGLISH

Let's Learn English

1. Work While You Work	55
2. A Smile with Blessing	60
3. The Clever Minister	66
4. Good Habits	71
5. Swachh Bharat Abhiyan	76
6. Charbhujanath Mandir	83
7. Traffic Lights	89
Exercise	**94**
8. Life Echoes	95
9. Birds' Paradise	101
10. Little Pride	108
11. Our Lifeline : The Trees	112

12. Chhatrapati Shivaji 117
13. Winds 122
Exercise **123**
14. The Crows and the Cruel Cobra 129
15. Freedom Fighters of Rajasthan 134
Oral Examination **142**
VOCABULARY AND GRAMMAR **143**

WRITING

1. Paragraph Writing 162
2. Story Writing 164
3. Poster Writing 165

MATHEMATICS

1. Numbers 166-180
2. Addition of two digit numbers 180-188
3. Subtraction 188-194
4. How many times? 195-199
5. Introduction to Division 199-204
6. Introduction to Vedic Maths 204-205
7. Indian Currency 206-213
8. Different Shapes 213-217
Worksheet **217**
9. Patterns 218-222
10. Time 222-227
11. Weight 228-233
12. Capacity 233-236
13. Measurement of Length 236-240
14. Area 240-242
15. Distribution (Fraction) 242-245
Worksheet **246-249**
16. Symmetry 250-254
17. Let's Collect Data 254-261

Environmental Studies

1. Relations and Relatives 262-268
2. Friendship 268-272
3. Games 272-276
4. Habit of Cleanliness 276-280
5. Green Leaves 280-285
6. Wonderful Forest 285-289
7. Water 289-292
8. Water is Life 293-296
9. Food Diversity 296-300

Worksheet **301**

10. Preparing Food 302-306

11. Good Food Habits 307-310

12. Car Pride-1 310-314

13. Festival, Celebration and Anniversary 314-317

14. Welcome to My Home 317-321

15. My Home and Their Home 321-324

16. Let's Draw Maps 324-325

17. Soil in different shapes 326-328

Worksheet **329**

18. Various occupation for everyone 330-334

19. Means of Transport 334-338

20. Means of Communication 339-341

हिन्दी–कक्षा 3

पाठ-1. देश की माटी

कठिन-शब्दार्थ एवं सरलार्थ—

(1)

देश की माटी, देश का जल।
हवा देश की, देश के फल।
सरस बनें प्रभु, सरस बनें॥

कठिन-शब्दार्थ—**माटी** = मिट्टी। **जल** = पानी। **सरस** = रसीला/मोहक। **प्रभु** = ईश्वर।

सरलार्थ—कवि ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कह रहा है कि हे ईश्वर, इस देश अर्थात् भारत की मिट्टी सरस अर्थात् उपजाऊ बने। इस देश की हवा सरस अर्थात् सुगंधित बने, इस देश का पानी सरस अर्थात् मीठा बने और इस देश के फल सरस अर्थात् रसीले बनें।

(2)

देश के घर और देश के घाट।
देश के वन और देश के बाट।
सरल बनें प्रभु, सरल बनें॥

कठिन-शब्दार्थ—**घाट** = नदी इत्यादि के तट पर या आस-पास बना सीढ़ीदार स्थान। **वन** = जंगल। **बाट** = रास्ता। **सरल** = आसान।

सरलार्थ—कवि ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कह रहा है कि इस देश के घर सरल अर्थात् खुशहाल बनें, नदियों इत्यादि के घाट सरल अर्थात् सुरक्षित बनें, देश के वन हरे-भरे और रास्ते आसान बनें।

(3)

देश के तन और देश के मन।
देश के घर के भाई-बहन।
विमल बनें प्रभु, विमल बनें॥

कठिन-शब्दार्थ—**तन** = शरीर। **मन** = हृदय/दिल। **विमल** = स्वच्छ/निर्मल।

सरलार्थ—कवि कह रहा है कि हे ईश्वर, इस देश के लोगों के शरीर और मन स्वच्छ/निर्मल सोच के हों। यहाँ के लोगों के हृदय में एक-दूसरे के प्रति प्यार हो। सब आपस में भाई-बहिनों की तरह स्वच्छ/निर्मल हृदय के साथ रहें।

(4)

देश की इच्छा, देश की आशा।
देश की शक्ति, देश की भाषा।
एक बनें प्रभु, एक बनें॥

कठिन-शब्दार्थ—**इच्छा** = चाहत। **आशा** = उम्मीद। **शक्ति** = ताकत। **भाषा** = बोली।

सरलार्थ—कवि कह रहा है कि हे ईश्वर, इस देश के लोगों की चाह, यहाँ के लोगों की उम्मीदें सब एक जैसी हों, किसी कारण से कोई भेद नहीं हो। यहाँ के लोगों की ताकत हमेशा एकजुट हो और यहाँ के लोगों की भाषा-बोली एक जैसी हो।

(5)

देश की माटी, देश का जल।
हवा देश की, देश के फल।
सरस बनें प्रभु, सरस बनें॥

सरलार्थ—कवि रविन्द्रनाथ टैगोर अंत में ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कह रहे हैं कि हे ईश्वर, इस देश की मिट्टी, पानी, देश की हवा और देश के फल सब सरस बनें। यह देश सभी तरह से परिपूर्ण और एकजुट होकर खूब फले-फूले।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर

सोचे और बताएँ—

प्रश्न 1. सरस बनाने के लिए किसे निवेदन किया गया है?

उत्तर—सरस बनाने के लिए प्रभु अर्थात् ईश्वर से निवेदन किया गया है।

प्रश्न 2. हमारा तन और मन किसका बताया गया है?

उत्तर—हमारा तन और मन देश का बताया गया है।

प्रश्न 3. वन और बाट कैसे होने चाहिए?
उत्तर—वन और बाट सरल होने चाहिए।

लिखें—

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।
(भाई-बहन, सरस, इच्छा, फल)
(क) हवा देश की देश के .....।
(ख) सरस बनें प्रभु ..... बनें।
(ग) देश के घर के .....।
(घ) देश की ..... देश की आशा।
उत्तर—(क) फल, (ख) सरस, (ग) भाई-बहन, (घ) इच्छा।

प्रश्न 2. देश की माटी व जल कैसे होने चाहिए?
उत्तर—देश की माटी व जल सरस होने चाहिए।

प्रश्न 3. वन और बाट से क्या आशय है?
उत्तर—वन से आशय जंगल व बाट से आशय रास्ता है।

प्रश्न 4. विमल बनने के लिए किसको कहा गया है?
उत्तर—देश में रहने वाले सभी लोगों, उनके मन तथा देश के प्रत्येक भाई-बहन को विमल बनने के लिए कहा गया है।

प्रश्न 5. तन और मन का देश से क्या संबंध है?
उत्तर—तन और मन से आशय है इस देश के लोग और उनकी सोच। जैसे देश के लोग और उनकी सोच होगी वैसा ही देश बनेगा।

प्रश्न 6. किस-किसके लिए एक बनने को कहा गया है?
उत्तर—देश के लोगों की इच्छा, चाहत, उम्मीद, यहाँ के लोगों की ताक़त और देश की भाषा को एक बनने को कहा गया है।

भाषा की बात—

नीचे कुछ शब्द और उनके विपरीत अर्थ वाले शब्द दिए जा रहे हैं, उन्हें रेखा खींचकर मिलाएँ—

	आशा	विदेश
	इच्छा	नीरस
	शक्तिशाली	निराशा
	देश	अनिच्छा
	सरस	कमज़ोर
उत्तर—	आशा	विदेश
	इच्छा	नीरस
	शक्तिशाली	निराशा
	देश	अनिच्छा
	सरस	कमज़ोर

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न—

प्रश्न 1. पाठ में किससे विनती की गई है?
(अ) राजा से (ब) मंत्री से
(स) प्रभु से (द) गुरु से। ( )

प्रश्न 2. विमल बनाने की प्रार्थना किस के लिए की गई है?
(अ) देश की शक्ति को (ब) देश की माटी को
(स) देश के घाट को (द) देश के मन को। ( )

प्रश्न 3. देश के भाई-बहन कैसे बनें?
(अ) सरस (ब) विमल
(स) सरल (द) एक। ( )

प्रश्न 4. देश में क्या-क्या चीज़ें सरस होने की विनती की गई है?
(अ) हवा (ब) जल
(स) माटी (द) उक्त सभी। ( )

उत्तर—1. (स) 2. (द) 3. (ब) 4. (द)

रिक्त स्थान भरो—

प्रश्न 1. देश की माटी ..... बने। (सरस/सरल)

प्रश्न 2. देश के तन और देश के .....। (जन/मन)

प्रश्न 3. देश की शक्ति, देश की .....। (ताकत/भाषा)

प्रश्न 4. देश के ..... और देश के बाट। (वन/जंगल)

उत्तर—1. सरस, 2. मन, 3. भाषा, 4. वन।

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न—

प्रश्न 1. देश की भाषा कैसी बनने को कहा गया है?
उत्तर—देश की भाषा एक बनने को कहा गया है।

प्रश्न 2. देश के फल कैसे होने चाहिए?
उत्तर—देश के फल सरस होने चाहिए।

प्रश्न 3. देश के वन कैसे बनने की विनती की गई है?
उत्तर—देश के वन सरल बनने की विनती की गई है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न—

प्रश्न 1. किस-किस को सरल बनने के लिए कहा गया है?
उत्तर—कविता में देश के घर, देश के घाट, देश के वन और देश के रास्तों को सरल बनने के लिए कहा गया है।

प्रश्न 2. देश की आशा से क्या आशय है?
उत्तर—देश की आशा का अर्थ है, देश के लोगों के लक्ष्य, लोगों के सपने जो वे सुखी और समृद्ध जीवन के लिए प्राप्त करना चाहते हैं।

पाठ-2. मीठे बोल

कठिन-शब्दार्थ—नज़र पड़ना = दिखना। **ज़रूर** = अवश्य। **दयालु** = दया करने वाला। **दानी** = दान करने वाला। **कारोबार** = कार्य/व्यापार। **खुश** = प्रसन्न। **खूब सारा** = बहुत सारा। **मूर्ख** = बेवकूफ़। **निर्बल** = कमज़ोर। **अकड़ना** = घमंड करना/ऐंठना। **बेईमान** = झूठा। **धूर्त** = दुष्ट/चालाक। **झट से** = तुरंत। **दर्द** = पीड़ा। **अनमोल** = बहुत कीमती।

पाठ का सार—एक खरगोश था। एक दिन वह बाज़ार से एक दुकानदार के पास से मीठी-मीठी बातें बोलकर कुछ गुड़ ले आया। जंगल में एक लोमड़ी ने उसे गुड़ खाते देख लिया। लोमड़ी धूर्त और लालची थी। उसने सोचा खरगोश तो मूर्ख है, जो इतने से गुड़ में खुश हो गया। मैं तो ज़्यादा गुड़ लेकर आऊँगी। उसने दुकानदार को धमकी देते हुए अकड़ कर गुड़ की भेली माँगी। दुकानदार समझ गया था कि लोमड़ी धूर्त है। उसने लोमड़ी को एक बोरा दिया, जिसमें बहुत सारे चींटे भरे हुए थे। लोमड़ी बहुत खुश हुई। उसने गुड़ निकालने के लिए जैसे ही बोरे में हाथ डाला, बहुत सारे चींटे उसके हाथ में चिपक गए। लोमड़ी दर्द के मारे चिल्लाई और बोली नहीं चाहिए तेरा गुड़। तेरा गुड़ तो खारा है।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर

सोचें और बताएँ—

प्रश्न 1. खरगोश को गुड़ खाते हुए किसने देखा?

उत्तर—खरगोश को गुड़ खाते हुए लोमड़ी ने देखा।

प्रश्न 2. लोमड़ी बाज़ार की तरफ़ क्यों गई ?

उत्तर—लोमड़ी दुकानदार से गुड़ लेने बाज़ार की तरफ़ गई।

प्रश्न 3. दुकानदार ने लोमड़ी के बारे में क्या सोचा?

उत्तर—दुकानदार ने सोचा कि लोमड़ी धूर्त है।

लिखें—

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें—

(जंगल, धूर्त, निर्बल, मूर्ख)

(क) मैं उसकी तरह ..... नहीं हूँ।

(ख) यह लोमड़ी ..... है।

(ग) वह ..... की ओर भागते हुए चिल्लाई।

(घ) खरगोश तो ..... है।

उत्तर—(क) निर्बल, (ख) धूर्त, (ग) जंगल, (घ) मूर्ख।

प्रश्न 2. किसने कहा—

(क) आप बहुत दयालु हैं।

(ख) मैं निर्बल नहीं हूँ।

(ग) बैठो-बैठो, मैं तुम्हें गुड़ देता हूँ।

उत्तर—(क) खरगोश ने।

(ख) लोमड़ी ने।

(ग) दुकानदार ने।

प्रश्न 3. खरगोश ने गुड़ की भेलियों को देखकर क्या सोचा?

उत्तर—गुड़ की भेलियाँ देखकर खरगोश ने सोचा कि कितना अच्छा हो उसे थोड़ा गुड़ खाने को मिल जाए।

प्रश्न 4. लोमड़ी ने दुकानदार से क्या-क्या कहा?

उत्तर—लोमड़ी ने दुकानदार से कहा कि तुम बेईमान हो, सामान कम तोलते हो। मिलावट करते हो। मुझे गुड़ की भेली दो, नहीं तो मैं तुम्हारी शिकायत करूँगी।

प्रश्न 5. लोमड़ी की बातें सुनकर दुकानदार ने क्या किया?

उत्तर—लोमड़ी की बातें सुनकर दुकानदार ने उसे गुड़ का एक बोरा दिया, जिसमें बहुत सारे चींटे थे।

प्रश्न 6. दुकानदार के स्थान पर आप होते तो लोमड़ी की बातें सुनकर क्या करते?

उत्तर—दुकानदार के स्थान पर हम होते तो लोमड़ी को डण्डे से मारकर भगा देते।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न—

प्रश्न 1. खरगोश ने दुकानदार से गुड़ कैसे लिया?

(अ) चुराकर (ब) माँगकर

(स) छिपकर (द) लड़कर। ( )

प्रश्न 2. खरगोश के मीठे बोल सुनकर दुकानदार क्या हुआ?

(अ) खुश हुआ (ब) दुःखी हुआ

(स) गुस्सा हुआ (द) कुछ नहीं हुआ। ( )

प्रश्न 3. लोमड़ी स्वभाव से कैसी थी?

(अ) दयालु (ब) विनम्र

(स) धूर्त (द) समझदार। ( )

प्रश्न 4. लोमड़ी ने दुकानदार से गुड़ कैसे माँगा?
(अ) विनम्रता से (ब) मीठा बोलकर
(स) गिड़गिड़ा कर (द) अकड़कर। ( )
उत्तर—1. (ब) 2. (अ) 3. (स) 4. (द)

रिक्त स्थान भरो—

प्रश्न 1. उसकी नज़र गुड़ की ..... पर पड़ी। (बोरियों/भेलियों)
प्रश्न 2. खरगोश की बात सुनकर ..... खुश हो गया। (दुकानदार/व्यापारी)
प्रश्न 3. वह दुकानदार के पास गई और ..... बोली। (अकड़कर/विनम्रता से)
प्रश्न 4. हाथ डालते ही ..... उसके हाथ पर चिपक गए। (गुड़/चींटे)
उत्तर—1. भेलियों, 2. दुकानदार, 3. अकड़कर, 4. चींटे।

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न—

प्रश्न 1. दुकानदार किसकी बात सुनकर खुश हो गया?
उत्तर—दुकानदार खरगोश की बात सुनकर खुश हो गया।
प्रश्न 2. किसे देखकर खरगोश ने गुड़ छिपा लिया?
उत्तर—लोमड़ी को देखकर खरगोश ने गुड़ छिपा लिया।
प्रश्न 3. दुकानदार से किसने अकड़कर बात की?
उत्तर—दुकानदार से लोमड़ी ने अकड़कर बात की।
प्रश्न 4. लोमड़ी ने दुकानदार से क्या माँगा?
उत्तर—लोमड़ी ने दुकानदार से गुड़ की भेली माँगी।

लघूत्तरात्मक प्रश्न—

प्रश्न 1. खरगोश ने दुकानदार से क्या कहा?
उत्तर—खरगोश ने दुकानदार से कहा कि आप दयालु हैं। दानी हैं। जीवों पर दया करते हैं। आपका कारोबार बढ़े। क्या आप मुझे थोड़ा गुड़ देंगे?
प्रश्न 2. दुकान पर गुड़ का ढेर देखकर लोमड़ी ने क्या सोचा?
उत्तर—दुकान पर गुड़ का ढेर देखकर लोमड़ी ने सोचा कि खरगोश तो मूर्ख है, थोड़ा सा गुड़ लेकर ही खुश हो गया, लेकिन मैं उसकी तरह निर्बल नहीं हूँ। दुकानदार को धमका कर बहुत सारा गुड़ ले लूँगी।
प्रश्न 3. लोमड़ी को मज़ा चखाने के लिए दुकानदार ने क्या किया?
उत्तर—लोमड़ी को मज़ा चखाने के लिए दुकानदार एक गुड़ का बोरा लेकर आया, जिसमें बहुत सारे चींटे थे। वह लोमड़ी से बोला, इसमें से चाहे जितना गुड़ ले लो।
प्रश्न 4. इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है?
उत्तर—इस कहानी 'मीठा बोल' से यह शिक्षा मिलती है कि मीठे वचन बोलकर किसी का भी दिल जीता जा सकता है, जबकि कड़वे वचन बोलने से बदले में दण्ड ही मिलता है।

पाठ-3. शिष्टाचार

कठिन-शब्दार्थ—बड़ाई = प्रशंसा। **वस्तु** = चीज़। **संगत** = साथ रहना। **सदैव** = हमेशा। **अनुपयोगी** = बेकार/व्यर्थ। **कचरा-पात्र** = कचरा डालने का डिब्बा। **आज्ञा** = आदेश। **अतिथि** = मेहमान। **स्वागत** = सत्कार। **उत्साह** = उमंग। **आदर** = सम्मान। **नम्रतापूर्वक** = विनय के साथ। **नोचना** = तोड़ना, मरोड़ना। **व्यर्थ** = बेकार में/ बिना कारण। **अभिवादन** = श्रद्धापूर्वक नमस्कार करना। **सहानुभूति** = संवेदना, दया। **शिष्टाचार** = सभ्य आचरण/व्यवहार। **बारी** = अवसर। **प्रतीक्षा** = इंतज़ार। **वृद्ध** = बूढ़े/बुजुर्ग।

पाठ का सार—प्रस्तुत पाठ में शिष्टाचार व अच्छी आदतों के बारे में बताया गया है। सदा सच बोलना, चोरी नहीं करना, कचरा हमेशा कचरा पात्र में डालना, बड़ों की मदद करना, शाला के नियमों का पालन करना इत्यादि कुछ ऐसी अच्छी आदतें हैं जिनका पालन हर व्यक्ति को करना चाहिए। शिष्टाचार का पालन केवल दिखावे के लिए नहीं होना चाहिए। शिष्टाचार का पालन करने से वातावरण हमेशा सुखकारी बना रहता है।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर

सोचें और बताएँ—

प्रश्न 1. मगन कैसा लड़का है?
उत्तर—मगन अच्छा लड़का है।
प्रश्न 2. मगन अतिथियों के साथ कैसा व्यवहार करता है?
उत्तर—मगन अतिथियों के साथ अच्छा व्यवहार करता है। वह उत्साह के साथ उनका स्वागत करता है। उन्हें कभी भार नहीं समझता। उनसे विनम्रता से बात करता है।

प्रश्न 3. शिष्टाचार की तुलना किससे की गई है?
उत्तर—शिष्टाचार की तुलना सुगंधित फूल से की गई है।

लिखें—

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें—
(क) मगन कभी ..... नहीं बोलता (सच/झूठ)
(ख) मगन ..... से बात करता है।
(विनम्रता/उद्दण्डता)
(ग) मगन बड़ों के साथ ..... का व्यवहार करता है। (आदर/अनादर)
(घ) वृद्ध तथा कमज़ोर लोगों की मदद ..... चाहिए। (नहीं करनी/करनी)
उत्तर—(क) झूठ, (ख) विनम्रता, (ग) आदर, (घ) करनी।

प्रश्न 2. मगन सबको अच्छा क्यों लगता है?
उत्तर—मगन सबके साथ शिष्टाचारपूर्वक व्यवहार करता है, इसलिए सबको अच्छा लगता है।

प्रश्न 3. मगन में शिष्टाचार की कौन-कौनसी आदतें हैं?
उत्तर—मगन कभी झूठ नहीं बोलता, चोरी नहीं करता, कचरा हमेशा कचरा पात्र में डालता है, बड़ों का आदर करता है, अपने गुरुजी का सम्मान करता है, सबके साथ विनम्रता से रहता है और शिष्ट भाषा का प्रयोग करता है।

प्रश्न 4. बड़ों के साथ बात करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?
उत्तर—बड़ों के साथ बात करते समय हमें विनम्रतापूर्वक बोलना चाहिए। आदरपूर्वक बात करनी चाहिए, बड़ों की बात कभी नहीं काटनी चाहिए और शिष्ट भाषा का प्रयोग करना चाहिए।

प्रश्न 5. बाग-बगीचे में घूमते समय हमें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?
उत्तर—बाग-बगीचे में घूमते समय हमें पेड़-पौधों की पत्तियों को नहीं नोंचना चाहिए। अकारण फूलों को नहीं तोड़ना चाहिए। इधर-उधर कचरा नहीं फैलाना चाहिए।

प्रश्न 6. शिष्टाचार को कैसा फूल बताया गया है और क्यों?
उत्तर—शिष्टाचार को एक सुगंधित फूल बताया गया है, क्योंकि जिस प्रकार फूल की खुशबू से वातावरण सुगंधित हो जाता है, वैसे ही शिष्टाचार से भी माहौल सुखद हो जाता है।

भाषा की बात—

प्रश्न—'मगन सबकी आँखों का तारा है।' वाक्य में 'आँखों का तारा होना' का अर्थ है सबका प्यारा होना। ऐसे विशिष्ट अर्थ वाले रूढ़ वाक्यांशों को मुहावरा कहते हैं। आप भी पाठ में आए निम्न मुहावरों को जानकर उनका सही अर्थ के साथ मिलान करें—

(क) दिल दुखाना	–	बीच में बोलना
(ख) बात काटना	–	उपहास करना
(ग) हँसी उड़ाना	–	शैतानी करना
(घ) उधम मचाना	–	दु:खी करना

उत्तर—
(क) दिल दुखाना – दु:खी करना
(ख) बात काटना – बीच में बोलना
(ग) हँसी उड़ाना – उपहास करना
(घ) उधम मचाना – शैतानी करना

प्रश्न—'मगन अच्छा लड़का है। मोहल्ले के सब लोग मगन को प्यार करते हैं।' इन पंक्तियों में मगन—व्यक्ति, प्यार—भाव, लड़का—जाति व मोहल्ला—स्थान विशेष का नाम है। इस प्रकार किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं। आप भी नीचे लिखे अनुच्छेद में से संज्ञा शब्दों को छाँटकर लिखें।
'मगन सबकी आँखों का तारा है। आखिर ऐसा क्या है मगन में कि सब लोग उसकी प्रशंसा करते नहीं थकते? वह हमेशा कचरा-पात्र में ही कचरा डालता है।'
उत्तर—**संज्ञा शब्द**—मगन, आँखों, तारा, लोग, प्रशंसा, कचरा-पात्र, कचरा।

प्रश्न—सही शब्द लिखकर जोड़े बनाएँ—
(मुक्की, पिता, दौड़, बगीचा, पौधे, आना)
इधर-उधर

(क) जाना.....	(ख) माता.....
(ग) भाग.....	(घ) बाग.....
(ङ) पेड़.....	(च) धक्का.....

उत्तर—
(क) जाना-आना
(ख) माता-पिता
(ग) भाग-दौड़
(घ) बाग-बगीचा
(ङ) पेड़-पौधे
(च) धक्का-मुक्की